अध्यक्ष द्वारा प्रारम्भिक सम्बोधन।

माननीय सदस्यगण, आज चौदहवीं बिहार विधान सभा के दशम् शीतकालीन सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर आप सबों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

यह सत्र वर्तमान कार्यक्रम अनुसार ८ दिसम्बर, २००८ तक के लिए निर्धारित है। सदन के माध्यम से हम राज्य के विभिन्न ज्वलंत विषयों पर चर्चा करेंगे। भारतीय संविधान निर्माताओं ने संसदीय लोकतांत्रिक पद्धति को अपनाकर हमें अनेकता में एकता और विभिन्न मतों के बावजूद एक मत और सर्वोपरि राज्यहित एवं राष्ट्रहित की सीख दी है। संसार में हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ज्यादा मजबूत एवं पारदर्शी है।

आज बिहार की आठ करोड़ जनता का ध्यान हमारे सत्र के खबरों की ओर होगी। इस परिस्थिति में हम इस सदन का उपयोग सकारात्मक, रचनात्मक एवं सहयोगात्मक रूप से करते हुए संसदीय लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से राज्य के ज्वलंत विषयों पर चर्चा कर सकते हैं जिससे कि संसदीय प्रणाली की गरिमा अक्षुण्ण रह सके।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सदन के सफल कार्य संचालन में आप सबों का सार्थक सहयोग प्राप्त होगा।